

भारत-अमरीका के सम्बन्ध**2293. श्री महेन्द्र सिंह लाठर :****श्री सत्य प्रकाश मालवीय :**

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अमरीका के सन्दर्भ में भारत की विदेश नीति इतनी खोखली साबित हुई है कि अमरीका भारत के टुकड़े-टुकड़े कर देने पर उतारू हैं ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि अमरीका में भारतीय राजदूत का पद काफी समय तक खाली पड़ा रहा और जब भारत ने अमरीका को इतना कम महत्व दिया तो उसकी प्रतिक्रिया में अमरीका ने भी काफी समय के भारत में कोई राजदूत नियुक्त नहीं किया है जिससे यह पता चलता है कि भारत के प्रति अमरीकी दृष्टि मित्रवत नहीं है ;

(ग) यदि हां, तो भारत की इस बदतर स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है और सरकार अमरीका के साथ किस तरह के सम्बन्ध बनाये रखना चाहती है और क्या सरकार ने इस दिशा में कोई कार्यक्रम बनाया है ; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और इसका कार्यान्वयन कब तक किये जाने की संभावना है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० एल० भाटिया) : (क) जी नहीं । भारत-अमरीका संबंध बहुपक्षीय है और कुछ मामलों में द्विपक्षीय में मनमोह होने के बावजूद, इनमें कई रचनात्मक और आपसी हित के तत्व हैं ।

(ख) अमरीका से भारत के भूतपूर्व राजदूत श्री यात्रिका हूसैन ने 6 जुलाई, 1992 को अपना कार्यभार छोड़ा था और हमारे वर्तमान राजदूत श्री एस०एस० रे ने 28 अक्टूबर, 1992 को अपना कार्यभार संभाला था । अमरीका के पिछले राजदूत श्री यामस विकरिंग सार्च, 1990 में भारत में गए और अमरीकी प्रशासन में अभी तक उनका उत्तराधिकारी नियुक्त नहीं किया है ।

(ग) और (घ) सरकार अमरीका सहित सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण, परस्पर सहयोग के और रचनात्मक संबंध बनाए

रखना चाहती है । सरकार की नीति यह है कि द्विपक्षीय बानबीन के द्वारा आपस समझबूझ बढ़ाकर अमरीका के साथ रचनात्मक सहयोग बढ़ाया जाए ।

बंगाल की खाड़ी में अमरीकी जहाजों द्वारा रुचरा फेंका जाना

2294. डा० जितेन्द्र कुमार जैन : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 25 जनवरी, 1994 के "पायनियर" में "यू० एस०शिप डम्पिंग वेस्ट्स इन बे ऑफ बंगाल" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या अमरीकी जहाज बंगाल की खाड़ी में प्रदूषण फैलाने की चेष्टा कर रहे हैं ;

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में तथ्य क्या हैं ;

(घ) क्या सरकार ने अमरीकी प्रतिनिधियों के साथ इस मामले में चर्चा की है ; और

(ङ) यदि हां, तो कब और उस पर अमरीकी प्रतिनिधि की प्रतिक्रिया क्या है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० एल० भाटिया) : (क) जी हां ।

(ख) अमरीकी जहाजों द्वारा बंगाल की खाड़ी में विषाक्त अपशिष्ट फेंके जाने की भारतीय तट रक्षक द्वारा न कोई सूचना दी गई है और न उनके ध्यान में आई है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता ।

US President is concern on human right violation in Kashmir

2295. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government of India's attention has been drawn to a news item published in the *Hindustan Times* dated 16-2-94 captioned "Clinton shares Pakistan concern about human rights abuses in Kashmir" when the President of the United States to the newly appointed Pakistan Ambassador, Dr.